इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर

ISSN : 0971- 9849

खंड 32, अंक सं. 2 (अप्रैल से जून 2025)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्री मोहित कुमार
डॉ रोमा असनानी

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

She Research Network in India (SheRNI)
https://sherni.inflibnet.ac.in/

e-PG Pathshala
https://epgp.inflibnet.ac.in/

Vidya-Mitra: Integrated e-content Portal
https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

क्र.सं.	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	**निदेशक की कलम से**	1-2
2.	**इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / वेबिनार**	3-7
3.	**"एक राष्ट्र, एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम**	7-7
4.	**भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम**	8-11
5.	**शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: संसाधनों के लिए शोधकर्ताओं का एक प्रवेश द्वार**	11-11
6.	**इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस.) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम**	11-11
7.	**उभयलिंगी व्यक्तियों (ट्रांसजेंडर) के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम**	12-12
8.	**शोधशुद्धि - साहित्यिक चोरी खोजी सॉफ्टवेयर (पीडीएस) पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**	12-12
9.	**इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति**	12-15
10.	**राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच**	15-16
11.	**अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ**	17-19
12.	**कर्मचारी समाचार**	19-23
13.	**क्षेत्रीय समाचारों / सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट**	24-24

निदेशक की कलम से,

(प्रिय पाठको)

मुझे वर्ष 2025 के इन्फ्लिबनेट समाचार पत्र का द्वितीय त्रैमासिक अंक प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह तीन महीने हमारे केंद्र के लिए बहुत खास रही हैं। इस अवधि के दौरान हमने देश की शिक्षा और रिसर्च व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य किए । इन अवधि में केंद्र ने प्रशिक्षण, लोगों तक पहुंच बढ़ाने, डिजिटल सेवाओं, नए समझौते तथा राष्ट्रीय स्तर पर दी जाने वाली सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति तथा शानदार सफलता हासिल की है।

केंद्र ने 'एक राष्ट्र, एक **सब्सक्रिप्शन'** (ओ.एन.ओ.एस.), शोधगंगा, शोधशुद्धि, सोल 3.0, आई.आर.आई.एन.**एस.**, शोध-चक्र और आई.एल.एम.एस. जैसी अपनी मुख्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए लगातार कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और वेबिनार आयोजित किए हैं। इससे लोगों को सिखाने और उनकी क्षमता निर्माण में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन कार्यक्रमों में देश भर से विश्वविद्यालय समन्वयकों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और पुस्तकालय कर्मी सहित विभिन्न हितधारकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिससे ई-संसाधनों की उपलब्धता, अनुसंधान नैतिकता, डिजिटल पुस्तकालय प्रबंधन, अनुसंधान प्रोफाइलिंग एवं दृश्यता (visibility) तथा विद्वत्तापूर्ण संचार प्रथाओं के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है।

विशेष रूप से, 'एक राष्ट्र, एक **सब्सक्रिप्शन'** (ओ.एन.ओ.एस.) मुहिम में बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। जिसके ज़रिए अब तक 13,000 से भी ज़्यादा जर्नल्स (शोध पत्रिकाएँ) के माध्यम से लोगो को पढ़ने की सुविधा मिली। यह इस बात का सबूत है कि केंद्र देश के हर हिस्से तक ज्ञान को समान रूप से विस्तार हेतु प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, इन्फ्लिबनेट के परियोजनाओं को ऑर्चिड से जोड़ने के लिए 'ORCID ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड' से स्वीकृत (फंड) मिली । इसका सीधा उद्देश्य भारतीय शोध को पूरी दुनिया में बड़ी पहचान दिलाना और विभिन्न माध्यम से लोगो को आसानी से जोड़ना है। जो यह दर्शाता है कि केंद्र वैश्विक मानकों को अपनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है।

इस तिमाही के दौरान, इन्फ्लिबनेट की विभिन्न परियोजनाओं और सेवाओं में कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की गईं। जैसे शोधगंगा पर अपलोड की गई थीसिस की संख्या 6,00,000 के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करना, जो भारतीय अनुसंधान के क्षेत्र में ओपन एक्सेस की बढ़ती गति को प्रदर्शित करता है। इसी तरह आई.आर.आई.एन.एस. का उल्लेखनीय विस्तार होना, जिसमें 1,620 से अधिक संस्थागत प्रदाता (instances) स्थापित हुए तथा 2.47 लाख से अधिक संकाय सदस्य इससे जुड़े हैं। इसके साथ ही, VIDWAN डेटाबेस ने 2.95 लाख से अधिक विशेषज्ञ प्रोफाइलों को पार कर लिया। किताबों के लिए दी जाने वाली आई.एस.बी.एन. सेवा में भी बड़ी बढ़त देखी गई है और इस अवधि के दौरान 1.44 लाख से ज्यादा आई.एस.बी.एन. नंबर जारी किए गए। इसके अलावा, शोध-चक्र का इस्तेमाल भी लगातार बढ़ रहा है और अब तक 167 विश्वविद्यालयों को इसके साथ जोड़ा जा चुका है।

केंद्र ने तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद जैसे राज्य स्तरीय निकायों के साथ इन्फ्लिबनेट सेवाओं के व्यापक कार्यान्वयन की संभावनाओं पर चर्चा करने के साथ-साथ, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद और कडी सर्व विश्वविद्यालय जैसे संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके अपने राष्ट्रीय और संस्थागत सहयोगों को और सुदृढ़ किया है।

इस अवधि की एक और बड़ी खास बात यह रही कि केंद्र में कई बड़े और प्रतिष्ठित मेहमान आए। जैसी कि - उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल और माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह जी ने केंद्र का दौरा किया । उन्होंने इन्फ्लिबनेट के कार्यो को सराहना करते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि पूरे देश में डिजिटल लाइब्रेरी सेवाओं और ज्ञान तक लोगों की पहुँच बढ़ाने वाले प्रणाली का विस्तार किया जाना आवश्यक है ।

कुल मिलाकर, यह अवधि दर्शाता है कि इन्फ्लिबनेट पूरे देश में शोध की सुविधाओं को बेहतर बनाने, शोध में मदद करने और लोगों की क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार समर्पित है। धन्यवाद ।

प्रो. देविका पी. मडल्ली
निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र

इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / वेबिनार

शोधगंगा और शोधशुद्धि/पीडीएस के विश्वविद्यालय समन्वयकों के लिए नीतियों और दिशानिर्देशों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर , 2-4 अप्रैल 2025

शोधगंगा और शोधशुद्धि/ पीडीएस के विश्वविद्यालय समन्वयकों के लिए नीतियों और दिशानिर्देशों पर तीन दिनों का एक शिक्षण कार्यक्रम 2 से 4 अप्रैल 2025 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक , प्रोफेसर देविका पी. मडाल्ली द्वारा किया गया। इस मौके पर देश भर की अलग-अलग विश्वविद्यालय तथा संस्थानों से आए विश्वविद्यालय समन्वयकों , शोधार्थी, प्रोफेसर्स एवं पुस्तकालय विशेषज्ञ मौजूद थे। उद्घाटन भाषण के दौरान उन्होंने बताया कि वर्तमान शोधगंगा सर्वर को और बेहतर किया गया है, अब इसे नए सर्वर पर ले जाने व इसके सबसे नए वर्जन में अपग्रेड करने का काम चल रहा है। उन्होंने केंद्र की अन्य सेवाओं के बारे में बताते हुए 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) का भी ज़िक्र किया, जिसके तहत 30 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा 13,000 से भी ज़्यादा जर्नल्स पढ़ने की सुविधा प्रदान कराई जा राही है।

इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) और शोधगंगा परियोजना के प्रभारी, श्री मनोज कुमार के. ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। उस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए यूजीसी की नीतियों और दिशानिर्देशों के बारे में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुती की , साथ ही इस बात पर विशेष ज़ोर दिया कि अकादमिक जगत में साहित्यिक चोरी (Plagiarism) की समस्या को रोकने में ये नियम कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। तत्पश्चात, डॉ. सुरभि ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए उसकी रूपरेखा प्रस्तुत की और इस बात पर विशेष जोर दिया कि यह सत्र अधिक व्यावहारिक/प्रायोगिक (practical) पर ज्यादा बल देगी। उद्घाटन सत्र को अंतिम मोड़ देते हुए , श्री राजन कुमार , सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित करते है।

भारत के सत्रह राज्यों से कुल अड़तीस (38) प्रतिभागियों ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। जिसके समापन अवसर पर, तीन दिनों के दौरान दिए गए व्याख्यानों पर आधारित 15 प्रश्नों की एक मेंटीमीटर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इसके बाद,कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को भागीदारी करने हेतु प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण:

क्र.सं.	विषय	विशेषज्ञ वक्ता के नाम
1.	इन्फ्लिबनेट गतिविधियों का एक अवलोकन	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2.	शोध नैतिकता/अकादमिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी के मुद्दों का परिचय: यूजीसी नीतियां एवं दिशानिर्देश	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
3.	शोधगंगा/शोधशुद्धि का परिचय	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी
4.	शोधचक्र का परिचय: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का एक प्रवेश द्वार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई
5.	(IRINS): वेब-आधारित संदर्भ सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS)	डॉ. कन्नन पी., वैज्ञानिक-ई
6.	यूजीसी साहित्यिक चोरी नीति 2018 की रूपरेखा	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)

7.	शोधगंगा की नई विशेषताओं के साथ प्रबन्धों को अपलोड करने का व्यावहारिक प्रदर्शन	श्री विकास पाल / राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (सी.एस./एल.एस.)
8.	पीडीएस में विश्वविद्यालय समन्वयकों (UCs) की भूमिकाएं और कोटा आवंटन के लिए दिशानिर्देश	डॉ. सुरभि / श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
9.	शोधकर्ताओं के लिए ओआरसीआईडी: दृश्यता बढ़ाना और शोधगंगा के साथ एकीकरण	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
10.	शोधगंगा में विश्वविद्यालय समन्वयकों (UCs) की भूमिकाएं, उत्तरदायित्व और नीतिगत दिशानिर्देश	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
11.	शोधगंगोत्री और सिनॉप्सिस अपलोडिंग का परिचय	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
12.	पीडीएस/शोधगंगा पर व्यावहारिक अभ्यास	टीम पीडीएस/शोधगंगा

चित्र-1: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

सोल 3.0: इंस्टालेशन और ऑपरेशन" पर 174वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 21-25 अप्रैल 2025

सोल 3.0: इंस्टालेशन और ऑपरेशन्स" पर 174वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 25 अप्रैल, 2025 तक इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.), श्री मनोज कुमार के. ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र के दौरान वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), श्रीमती अमृता देवी ने प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। तकनीकी समन्वयक वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), श्री यात्रिक पटेल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), श्रीमती हेमा चोलिन और एसटीओ-I (एल.एस.), श्रीमती आरती सावाले क्रमशः इस कोर्स की समन्वयक और सह-समन्वयक थीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षणिक दौरे की व्यवस्था भी की गई थी।

समापन सत्र में, कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और सभी तकनीकी सत्रों की सराहना की। इसके साथ ही इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) ने सभी को धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और समापन सत्र को विराम दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण:

क्र.सं.	**विषय / मॉड्यूल**	**विशेषज्ञ वक्ता के नाम**
1.	इन्फ्लिबनेट गतिविधियां और सेवाएं	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2.	प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
3.	कैटलॉग (सूचीकरण) मॉड्यूल	श्रीमती रोशनी यादव, एसटीओ-I (एल.एस.)
4.	सर्कुलेशन (परिसंचरण) मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)
5.	एक्विजिशन (अधिग्रहण) मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
6.	पत्रिका नियंत्रण मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एसटीओ-I (एल.एस.)
7.	सोल 3.0 वेब ओपेक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
8.	सोल 3.0 संस्थापन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
9.	सभी मॉड्यूलों का व्यावहारिक अभ्यास	श्री विराज पारेख, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) श्री राजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री रोज़मेरी, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री हर्षा पारीक, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)

चित्र-2: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

सोल 3.0: संस्थापन एवं संचालन" पर 175वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 9-13 जून 2025

सोल 3.0: संस्थापन एवं संचालन" पर 175वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 09 से 13 जून 2025 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. मडल्ली द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती अमृता देवी ने सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके तत्पश्चात, तकनीकी समन्वयक और वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) श्री यात्रिक पटेल ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते है । इस पूरे पाठ्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी क्रमशः वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन (पाठ्यक्रम समन्वयक) और वैज्ञानिक-बी (सी.एस.) श्री विजयकुमार श्रीमाली (संयुक्त समन्वयक) ने संभाली। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 19 प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्ण भाग लिया। साथ ही, प्रतिभागियों के हित के लिए गांधीनगर में एक स्थानीय शैक्षणिक दौरे की भी व्यवस्था की गई ।

सत्र को अंतिम स्वरुप देते हुए , केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और कार्यक्रम पर सकारात्मक समापन टिप्पणियों के साथ अपने मूल्यवान अनुभव सभी को साझा किए और अंत में श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) ने सभी प्रतिभागी को धन्यवाद ज्ञापित किरते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण:

क्र.सं.	विषय / मॉड्यूल	विशेषज्ञ वक्ता के नाम
1.	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियां एवं सेवाएं	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2.	प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
3.	कैटलॉग (सूचीकरण) मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एसटीओ-I (एल.एस.)
4.	सर्कुलेशन (परिसंचरण) मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)
5.	एक्विजिशन (अधिग्रहण) मॉड्यूल	डॉ. एच. जी. होसामनी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)
6.	पत्रिका नियंत्रण मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एसटीओ-I (एल.एस.
7.	सोल 3.0 संस्थापन	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
8.	सोल 3.0 वेब ओ.पे.क और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)

9.	सभी मॉड्यूलों का व्यावहारिक अभ्यास	श्री विराज पारेख, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) श्री राजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री रोज़मेरी, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री हर्षा पारीक, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)

चित्र-3: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम: सभी के लिए (वेबिनार)

इस अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर निम्नलिखित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

क्र.सं.	**दिनांक**	**राज्य / क्षेत्र**	**विशेषज्ञ वक्ता**	**उपस्थित प्रतिभागी की संख्या**
1.	09-05-2025		श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), डॉ. रोमा आसनानी, एसटीओ (एल.एस.)	312
2.	20-06-2025	ओडिशा	दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)	47

इसके अतिरिक्त, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा उपयोगकर्ताओं में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रकाशक के सहयोग से एक जागरूकता वेबिनार का भी आयोजन किया गया।

क्र.सं.	कार्यक्रम का विवरण	दिनांक
1.	एल्सेवियर (Elsevier) के साथ 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	25-06-2025

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (IRINS) पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिवेदित अवधिके दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने विद्वान-आई.आर.आई.एन.एस. (VIDWAN-IRINS) पर चार (04) संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों (ऑनलाइन और ऑफलाइन) का आयोजन :

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	विशेषज्ञों के नाम
क	एन.वी.के.एस.डी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्याकुमारी, तमिलनाडु	17-04-2025	98	डॉ. कन्नान पी. और श्री हितेषकुमार सोलंकी
ख	पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब	26-04-2025	120	डॉ. अभिषेक कुमार और डॉ. कन्नान पी.
ग	डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ	10-05-2025	-	श्री हितेषकुमार सोलंकी
घ	आर. एस. मुंडले धरमपेठ कला एवं वाणिज्य कॉलेज, नागपुर, महाराष्ट्र	13-06-2025	122	श्री हितेषकुमार सोलंकी और श्री पल्लब प्रधान

क) विद्वत समुदायों के लिए आई.आर.आई.एन.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम, एन.वी.के.एस.डी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अत्तूर, तमिलनाडु (17 अप्रैल 2025)

विद्वत समुदाय के लिए आई.आर.आई.एन.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 17 अप्रैल 2025 को किया गया। यह कार्यक्रम एन.वी.के.एस.डी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अत्तूर (कन्याकुमारी, तमिलनाडु) और इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर (गुजरात) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में पुदुच्चेरी (पोंडिचेरी), तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों से कुल 136 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र से आमंत्रित विशेषज्ञों— डॉ. कन्नन पी. [वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)] और श्री हितेशकुमार सोलंकी [वैज्ञानिक-सी (सी. एस.)] द्वारा ऑर्चिड और इन्फ्लिबनेट सेवाओं (जैसे- आई.आर.आई.एन.एस. , शोध-चक्र, शेर्नी और कई अन्य) पर बेहद व्यावहारिक और ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन का उद्घाटन एन.वी.के.एस. एजुकेशनल सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. आर. मुकुंदन द्वारा किया गया। कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. एस. श्रीलता द्वारा स्वागत/प्रारंभिक भाषण , और कार्यक्रम का सफल समन्वय कॉलेज की पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पी. शीला द्वारा किया गया। यह सत्र विभिन्न विषयों के संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

चित्र- 4: जागरूकता कार्यक्रम की ग्रुप फोटो

ख) पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब में विद्वत समुदायों के लिए आई.आर.आई.एन.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम (26 अप्रैल 2025)

इन्फ्लिबनेट केंद्र ने रंगनाथन पुस्तकालय, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के सहयोग से 26 अप्रैल 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला-सह-जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पंजाब और पड़ोसी राज्यों के 120 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तकनीकी सत्र इन्फ्लिबनेट केंद्र के संसाधन व्यक्तियों: डॉ. कन्नान पी., वैज्ञानिक-ई (एल.एस.), और डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) द्वारा संचालित किए गए। कार्यशाला की शुरुआत वित्त अधिकारी डॉ. राज कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसके बाद पूर्व प्रोफेसर प्रो. ए. एस. चंदेल ने अपने विचार व्यक्त किए। उद्घाटन भाषण प्रो. रामकृष्ण वुसरिका द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का समापन पुस्तकालय प्रभारी, प्रो. राजेश कुमार की समापन टिप्पणी के साथ हुआ।

चित्र-5: जागरूकता कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

ग) विद्वत समुदायों (Scholarly Communities) के लिए आई.आर.आई.एन.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर जागरूकता कार्यक्रम विषय पर प्लेनरी वर्कशॉप (पूर्ण कार्यशाला), जो कि डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के मधु लिमये पुस्तकालय में आयोजित **9वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एशियन स्पेशल लाइब्रेरीज (ICoASL-2025)** के अंतर्गत 10 मई 2025 को संपन्न हुई।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने **"नवोन्मेषी तकनीकों के माध्यम से पुस्तकालयों का सतत विकास"** विषय पर आयोजित तीन दिवसीय **9वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एशियन स्पेशल लाइब्रेरीज (ICoASL-2025)** के आयोजन के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के मधु लिमये पुस्तकालय को अपना सहयोग प्रदान किया। यह सम्मेलन 09 से 11 मई 2025 तक एसएलए-एशिया (SLA-ASIA) कम्युनिटी, सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स-दिल्ली, और उत्तर प्रदेश लाइब्रेरी एसोसिएशन-लखनऊ के सहयोग से आयोजित किया गया था।

सम्मेलन के दूसरे दिन, 10 मई 2025 को, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के सहयोग से **'विद्वत समुदायों के लिए IRINS और इनफ्लिबनेट सेवाओं पर जागरूकता कार्यक्रम'** विषय पर एक पूर्ण कार्यशाला (Plenary Workshop) का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), **श्री हितेशकुमार सोलंकी** ने व्यावहारिक व्याख्यान दिए और इनफ्लिबनेट की विभिन्न सेवाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमो) किया। इस सत्र की अध्यक्षता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (BBAU), लखनऊ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के **प्रो. शरद कुमार सोनकर** ने की। कार्यशाला के दौरान, कुलपति **प्रो. अमर पाल सिंह** द्वारा दो पोस्टरों—**'रिसर्च कॉर्नर'** और **'इनफ्लिबनेट सर्विसेज'**—का विमोचन भी किया

गया। इस अवसर पर आर.एम.एल.एन.एल.यू. (RMLNLU) पीएचडी सेल के समन्वयक **प्रो. मनीष सिंह**, विश्वविद्यालय समन्वयक **डॉ. मनीष बाजपेयी** और अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चित्र-6: ICoASL-2025 में 'रिसर्च कॉर्नर' और 'इनफ्लिबनेट सर्विसेज' पोस्टरों का विमोचन

घ) विद्वत समुदायों (Scholarly Communities) के लिए आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS) और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक-दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम, स्थान: आर. एस. मुंडले धरमपेठ कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र, दिनांक: 13 जून 2026

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के सहयोग से आर. एस. मुंडले धरमपेठ कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर में 13 जून 2025 को 'विद्वत समुदायों के लिए आई.आर.आई.एन.एस. और इनफ्लिबनेट सेवाओं पर एक-दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मेजबानी आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय परिसर स्थित गणित विभाग (PGTD) के रामानुजन हॉल में की गई। उद्घाटन समारोह में आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय के माननीय प्रति-कुलपति डॉ. सुभाष कोंडावार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मेजबान महाविद्यालय के प्राचार्य और कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. मोहन बी. नगराले ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, तथा आरटीएमएनयू (RTMNU) के नॉलेज रिसोर्स सेंटर के निदेशक डॉ. विजय खंडल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। महाविद्यालय की ग्रंथपाल डॉ. मंजू दुबे ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया। इनफ्लिबनेट केंद्र की ओर से श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान) और श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान) विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम के दौरान 'ऑर्चिड ओवरव्यू' , 'शोध-चक्र', 'IRIINS: रिसर्च इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम' और 'इनफ्लिबनेट की गतिविधियों और सेवाओं' पर सत्र संचालित किए। कार्यक्रम के समापन सत्र को आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंगला हिरवड़े ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सुशोभित किया। इस कार्यक्रम में आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय, गोंडवाना विश्वविद्यालय, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय और रामदेवबाबा विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध 40 से अधिक महाविद्यालयों के 122 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विभिन्न विषयों के संकाय सदस्य, शोधार्थी और पुस्तकालय विशेषज्ञ शामिल थे।

चित्र-7: जागरूकता कार्यक्रम की एक झलक

शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का एक प्रवेश द्वार

प्रतिवेदित अवधिके दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र ने शोध-चक्र पर चार (04) संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों (ऑनलाइन) का आयोजन किया।

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विषय	प्रतिभागी	इनफ्लिबनेट के विषय-विशेषज्ञ
1.	मानव रचना विश्वविद्यालय	07-05-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	20	सुश्री वैष्णवी इंगले
2.	सुमंदीप विद्यापीठ	08-05-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	5	सुश्री वैष्णवी इंगले
3.	जैन विश्वविद्यालय	13-05-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	100	सुश्री वैष्णवी इंगले
4.	इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड रिसर्च, आईपीएस एकेडमी	16-05-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	38	सुश्री वैष्णवी इंगले

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस.) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

इनफ्लिबनेट केंद्र ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान आई.एल.एम.एस. (ILMS) पर एक (01) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विषय-विशेषज्ञ	प्रतिभागी की संख्या
1.	कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय	28-04-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) एवं श्री अरशद रफ़ीक ख़ान	100

उभयलिंगी/ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुरोध पर, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (NISD) के ट्रांसजेंडर एवं भिक्षावृत्ति प्रभाग (Transgender & Beggary Division) ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के माध्यम से जिलाधिकारियों/कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों के लिए **'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल'** पर पांच (05) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जिला अधिकारियों को पोर्टल के संचालन के प्रति संवेदनशील बनाना तथा ट्रांसजेंडर प्रमाणपत्र और पहचान पत्र जारी करने से संबंधित उनकी शंकाओं और तकनीकी समस्याओं का समाधान करना था।

क्र. सं.	राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	तिथि	विषय-विशेषज्ञ	प्रतिभागी संख्या
1.	तेलंगाना	06 जून 2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	61
2.	महाराष्ट्र और गोवा	17 जून 2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	52
3.	तमिलनाडु और पुडुचेरी	20 जून 2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	29
4.	ओडिशा	24 जून 2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	39
5.	छत्तीसगढ़	27 जून 2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	40

शोधशुद्धि - साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तरी क्षेत्र के राज्यों—जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के सभी शोधशुद्धि हितधारकों (Stakeholders) जैसे कि विश्वविद्यालय समन्वयकों ,प्रशासकों और सुविधाप्रदाताओं (Facilitators) के लिए 27 जून 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में 'शोधशुद्धि - साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (**पीडीएस**) पर एक-दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। हालाँकि, इस कार्यक्रम में भागीदारी केवल इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं थी। इस कार्यक्रम को आई.आई.टी. जम्मू के कुलसचिव कर्नल विरिंदर सिंह जेजी (सेवानिवृत्त) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सुशोभित किया।

चित्र-8: आई.आई.टी जम्मू में 'शोधशुद्धि – पीडीएस ' पर आयोजित एक-दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

विद्वान (VIDWAN), इंडियन रिसर्च इंफॉर्मेशन नेटवर्क सिस्टम (IRINS), शेरनी (SheRNI), और ऑर्चिड (ORCiD)

विद्वान विशेषज्ञ प्रोफाइल डेटाबेस में प्रतिवेदित अवधि तक 2,95,000 से अधिक संकाय सदस्यों की विस्तृत प्रोफाइल उपलब्ध है। आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS), जो इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रदान की जाने वाली एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (RIM) सेवा है, शैक्षणिक व अनुसंधान एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों और

वैज्ञानिकों को उनकी विद्वतापूर्ण संचार गतिविधियों (Scholarly Communication Activities) को एकत्र करने, व्यवस्थित करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करती है। साथ ही, यह एक विद्वत नेटवर्क (Scholarly Network) बनाने का अवसर भी देती है। इनफ्लिबनेट केंद्र ने प्रतिवेदित अवधि तक संस्थानों के लिए 1,620 IRINS इंस्टेंस (Instances) बनाए हैं, जिसमें समीक्षाधीन अवधि के दौरान बनाए गए 99 IRINS इंस्टेंस शामिल हैं। IRINS ने इस परियोजना के माध्यम से 2,47,533 संकाय सदस्यों को आपस में जोड़ा है। इस परियोजना ने विभिन्न स्रोतों से 33.14 लाख से अधिक (33,14,248) प्रकाशनों का मेटाडेटा प्राप्त किया है और इसे 275 लाख से अधिक (2,75,40,892) उद्धरण (Citations) प्राप्त हुए हैं।

शी रिसर्च नेटवर्क इंडिया (शेरनी), भारत में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को जोड़ने और उसका लाभ उठाने वाला एक विशेषज्ञ-प्रोफाइल नेटवर्क है, वर्तमान में इस पर 1,11,000 से अधिक विशेषज्ञ प्रोफाइल उपलब्ध हैं।

इनफ्लिबनेट की विद्वत नेटवर्क परियोजनाओं के साथ ऑर्चिड (ORCID) का एकीकरण: इनफ्लिबनेट केंद्र को अप्रैल 2025 में ऑर्चिड (ORCID) के 'ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड' से वित्तीय सहायता (फंडिंग) प्राप्त हुई थी। प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य शोधकर्ता की पहचान के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक 'ORCID' को इनफ्लिबनेट की मौजूदा विद्वत नेटवर्क पहलों में एकीकृत करना है। इस एकीकरण का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर वैश्विक मानकों के अनुरूप अनुसंधान को सुव्यवस्थित करना, डेटा की सटीकता को बढ़ाना और विद्वतापूर्ण संचार मंचों (Scholarly Communication Platforms) पर अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना है।

शोध-चक्र: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का एक प्रवेश द्वार

शोध-चक्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मार्गदर्शन में इनफ्लिबनेट केंद्र की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य शोधार्थियों को उनके पूरे अनुसंधान जीवन चक्र (Research Life Cycle) के दौरान शैक्षणिक सहायता प्रदान करना है। शोध-चक्र शोधकर्ता (Research Scholar), गाइड/पर्यवेक्षक और विश्वविद्यालय को एक साझा और विशिष्ट मंच प्रदान करता है जिसके माध्यम से वे शोध कार्य के पूरे चक्र का प्रबंधन कर सकते हैं। यह पोर्टल लाखों संसाधनों, जैसे कि पूर्ण-पाठ शोध प्रबंध , को एकीकृत करता है और अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करता है। शोध-चक्र का उपयोग करने के लिए कुल 167 विश्वविद्यालयों ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से आठ (8) विश्वविद्यालयों ने समीक्षाधीन/प्रतिवेदित अवधि के दौरान इस पर हस्ताक्षर किए हैं। इन आठ (8) विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	संस्थान का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि	इनफ्लिबनेट द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि
1.	**हैदराबाद (SIND) नेशनल कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी**	11-03-2025	02-04-2025
2.	**स्टारेक्स यू विश्वविद्यालय**	17-03-2025	02-04-2025
3.	**केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय**	26-03-0205	01-04-2025
4.	**एन.आई.सी.एम.ए.आर (NICMAR) विश्वविद्यालय**	28-03-2025	08-04-2025
5.	**सुमनदीप विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय**	02-04-2025	08-04-2025
6.	**किष्किंधा विश्वविद्यालय**	08-04-2025	

7.	**गुरु नानक कॉलेज, धनबाद**	23-04-2025	
8.	**लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान**	23-04-2025	

अंतरराष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदन के अनुसार इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर आई.एस.बीएन पोर्टल के तकनीकी रखरखाव के साथ-साथ पंजीकरण , आवेदन और आईएसबीएन के आवंटन सहित अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन और निष्पादन कर रहा है। प्रतिवेदित अवधि (1 अप्रैल से 30 जून 2025) के दौरान, आई.एस.बी.एन पोर्टल पर 4,327 हितधारकों (Stakeholders) ने पंजीकरण कराया, जिसके तहत 11,368 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवधि में हितधारकों और प्रकाशकों को कुल 1,44,727 (आई.एस.बी.एन) आवंटित किए गए।

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS)

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र ने 28 मई 2025 को असम विश्वविद्यालय, सिलचर के लिए (आई.एल.एम.एस - इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस) की स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया।

उभयलिंग व्यक्तियों (ट्रांसजेंडर व्यक्तियों) के लिए राष्ट्रीय पोर्टल (TG पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग) के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र ने 'उभयलिंगी व्यक्तियों (ट्रांसजेंडर व्यक्तियों) के लिए राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को देश में कहीं से भी डिजिटल रूप से प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे उन्हें किसी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। केंद्र ने इस समझौता ज्ञापन के अनुसार अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। नीचे दी गई तालिका प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों की संख्या, जारी किए गए प्रमाण पत्रों व आईडी कार्डों और अन्य प्रासंगिक जानकारी से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत करती है।

आवेदन (स्थिति के अनुसार)	**प्राप्त आवेदनों की संख्या**	**अपात्र पाए गए आवेदनों की संख्या**	**जारी किए गए प्रमाण पत्रों की संख्या**	**जारी किए गए पहचान पत्रों की संख्या**
अप्रैल-जून 2025	1839	255	1541	1538

शोधगंगा: भारतीय शोध-प्रबंधों का एक भंडार

30 जून 2025 तक (अप्रैल 2025 से जून 2025 की अवधि में), कुल 25 संस्थानों (22 विश्वविद्यालयों + 3 सीएफटीआई/आईएनआई - CFTIs/INIs) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जिससे शोधगंगा में पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंधों की संख्या में और वृद्धि हुई। इस प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र ने शोधगंगा पर 6,00,000 (6 लाख) शोध-प्रबंध पूरे होने का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया और इसका उत्सव मनाया। यह देश भर के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय की सामूहिक प्रतिबद्धता और योगदान के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण था। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक, प्रो. देविका माडाल्ली ने सभी इनफ्लिबनेट कर्मियों की उपस्थिति में 07 मई 2025 को इस रिपॉजिटरी (भंडार) में 6,00,000वाँ शोध-प्रबंध अपलोड किया।

चित्र-9: शोधगंगा पर 6,00,000 शोध-प्रबंध जमा होने की ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच

- **केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (CCRH), आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन , 09 अप्रैल 2025**

अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने ज्ञान और संसाधनों के पारस्परिक आदान-प्रदान (साझाकरण), प्रशिक्षण प्रदान करने और सहायता इत्यादि के लिए 09 अप्रैल 2025 को इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच), आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर दोनों संगठनों के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में डॉ. सुभाष कौशिक, महानिदेशक, सी.सी.आर.एच, नई दिल्ली और प्रो. देविका पी. मडाल्ली, निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोग सी.सी.आर.एच के हितधारकों और समुदायों के बीच इनफ्लिबनेट की सेवाओं के प्रभावी कार्यान्वियन और उपयोग को सक्षम बनाएगा, साथ ही सी.सी.आर.एच के लिए विशेष सेवाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

चित्र-10: सी.सी.आर.एच. , आयुष मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- **तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (TGCHE) के अध्यक्ष साथ बैठक, 18 जून 2025**

इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्लीने संभावित सहयोग पर चर्चा करने के लिए 18 जून 2025 को तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद) के अध्यक्ष, प्रोफेसर वी. बालकिस्ता रेड्डी से मुलाकात की। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अधिकारियों के अनुसार, यह सहयोग तेलंगाना के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के भीतर राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक और अनुसंधान सहायता सेवाओं के निर्बाध कार्यान्वयन को सक्षम बनाएगा। इसके तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र पूरे तेलंगाना के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को अपनी सेवाएं प्रदान करेगा।

- **कडी सर्व विश्वविद्यालय, गांधीनगर के साथ समझौता ज्ञापन, 24 जून 2025**

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने 24 जून 2025 को KSV, गांधीनगर को रिसर्च सपोर्ट सर्विस देने के लिए Kadi Sarva Vishwavidyalaya, गांधीनगर के साथ आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस MoU पर इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मडाली और KSV, गांधीनगर में कंप्यूटर साइंस फैकल्टी के डीन डॉ. रूपेश व्यास ने दोनों संगठनों के अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। इस सहयोग से KSV से जुड़े लोगों और समुदायों के बीच इनफ्लिबनेट सर्विस को प्रभावी ढंग से लागू करने और इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी।

चित्र-11: कड़ी सर्वा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अन्य प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), नवी मुंबई के सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) द्वारा गांधीनगर स्थित इनफ्लिबनेट केंद्र का दौरा, 29 अप्रैल 2025

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), नवी मुंबई के सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) श्री प्रमोद एस सांगोले ने केंद्र में हिंदी के उपयोग का निरीक्षण करने के लिए 29 अप्रैल 2025 को सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर का दौरा किए। केंद्र में हिंदी समिति और उप-समिति के सदस्यों ने उनसे मुलाकात की और केंद्र में हिंदी के उपयोग में सुधार के लिए उनके सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त किए।

चित्र-12: श्री प्रमोद एस. सांगोले, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन-हिंदी) का दौरा

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025

इनफ्लिबनेट केंद्र ने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक उत्साह के साथ "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" (Yoga for One Earth, One Health) विषय (थीम) के तहत 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

चित्र-13: 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

माननीय श्रीमती आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश और तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, गांधीनगर का दौरा, 26 जून 2025

दिनांक 26 जून 2025 को उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, गांधीनगर का दौरा कर सेवाओं का अवलोकन किया। सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र को यह बताते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि अपने यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल जी ने केंद्र द्वारा संचालित पहलों एवं गतिविधियों की प्रशंसा की। यह न केवल केंद्र लिए उत्साहवर्धक है, बल्कि भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। माननीय राज्यपाल महोदया ने उत्तर प्रदेश के सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र की सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु अपनी सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। प्रो. देविका पी. मदल्ली, निदेशक, सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, माननीय राज्यपाल जी के प्रेरणादायी समर्थन हेतु हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किये। इनफ्लिबनेट केंद्र उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के सहयोग से अपनी सेवाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह पहल राज्य विश्वविद्यालयों को अनुसंधान, शिक्षण और डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

चित्र-14: उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल का दौरा, 26 जून 2025

माननीय श्री अमित शाह जी, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री, भारत सरकार, का सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, गांधीनगर केंद्र में स्वागत, 28 जून 2025

इनफ्लिबनेट केंद्र को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि भारत सरकार के गृह और सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह ने गांधीनगर स्थित इनफ्लिबनेट केंद्र के मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने इनफ्लिबनेट केंद्र के डेटा सेंटर का निरीक्षण किया और इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि गुजरात और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सभी पुस्तकालयों को इनफ्लिबनेट के साझा पोर्टल से जोड़ा जाए। युवाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, "मैं भी पुस्तकालय का बच्चा हूँ।" उन्होंने प्राचीन भारतीय ग्रंथों के डिजिटलीकरण और संरक्षण के प्रयासों को भी प्रोत्साहित किया। इनफ्लिबनेट के निदेशक ने उन्हें आश्वासन दिया कि सभी पुस्तकालयों को तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे अधिक कुशल और आधुनिक बन सकें। केंद्र माननीय मंत्री जी के मार्गदर्शन, प्रेरणा और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

चित्र-15: माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह द्वारा गरिमामयी उपस्थिति, 28 जून 2025

कर्मचारी समाचार

प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक

- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने 03 अप्रैल 2025 को आर.आई.एस , नई दिल्ली में 'एसटीआईपी फोरम पब्लिक लेक्चर सीरीज' (STIP Forum Public Lecture Series) के तहत "एक देश, एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.)" पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि "एक देश, एक सदस्यता" ज्ञान तक समान पहुंच सुनिश्चित करेगा और ज्ञान का लोकतंत्रीकरण) करेगा, जिससे अनुसंधान की सुलभता के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव आएगा।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली को 04 अप्रैल 2025 को गांधीनगर विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित 'टेकएक्सट्रीम 2025' (TECHXTREME 2025) के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- प्रो. मडाल्ली ने 'साइंस इंडिया मैगज़ीन' के अप्रैल 2025 संस्करण (पृष्ठ संख्या 42 के बाद) में प्रकाशित एक विस्तृत लेख में "शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के बीच विद्वत्तापूर्ण संचार (Scholarly Communication) को बढ़ावा देने" में केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने व्यावहारिक विचार साझा किए। इस लेख में, उन्होंने देश में शिक्षा और अनुसंधान को सहायता प्रदान करने के प्रति इनफ्लिबनेट की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रतिबद्धता पर विशेष बल दिया है। उन्होंने रेखांकित करते हुए कहां कि इनफ्लिबनेट का उद्देश्य ऐसी संचार सुविधाएं स्थापित करना है जो शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी सूचनाओं के साझाकरण (आदान-प्रदान) में सुधार ला सकें।
- प्रो. देविका . माडल्ली ने 24 अप्रैल 2025 को जम्मू विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में "उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाएँ" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान) दिए।

- प्रो. माडल्ली को 02 मई 2025 को 'इंटरनेशनल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एक्सीलेंस' (ISME), बैंगलोर के अनुसंधान विभाग (Department of Research) में 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' (Ph.D.- 2025) के शुभारंभ के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित रही।
- प्रो. मडाली ने टोक्यो, जापान में आयोजित 'कोआर (COAR - कॉन्फेडरेशन ऑफ ओपन एक्सेस रिपॉजिटरीज़) वार्षिक सम्मेलन 2025' (12-14 मई 2025) में भाग लिया। उन्होंने इस आयोजन के दौरान "ओपन साइंस में वैश्विक रुझान" (Global Trends in Open Science) पर आयोजित एक पैनल चर्चा (परिचर्चा) में अपने विचार साझा किए।
- प्रो. माडल्ली ने मंगलवार, 27 मई 2025 को हाइब्रिड मोड में सी.एस.आईआर-एनआईओ (CSIR-NIO), गोवा में आयोजित एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। “इमर्जिंग रिसर्च फ्रंटियर्स इन मरीन एंड एलाइड साइंसेज विद स्पॉटलाइट ऑन द इंडियन जर्नल ऑफ जियो-मरीन साइंसेज” विषय पर आधारित इस कार्यशाला का संयुक्त आयोजन सी.एस.आईआर-निस्पर (CSIR-NIScPR), नई दिल्ली और सी.एस.आईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (CSIR-NIO), गोवा द्वारा किया गया था। इस अवसर पर प्रो. मडाली ने "'एक राष्ट्र, एक सदस्यता” (ओ.एन.ओ.एस.) - एन इंडियन पर्सपेक्टिव" (मुक्त विज्ञान और ओएनओएस - एक भारतीय परिप्रेक्ष्य) पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया
- प्रो. मडाली को 27-28 मई 2025 के दौरान मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज (MRIIRS), फरीदाबाद, हरियाणा के डॉ. ओ.पी. भल्ला सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इनोवेशन एंड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इन एकेडमिक लाइब्रेरीज' में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए

- प्रो. मडाली को महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास के विषय पर माननीय कैबिनेट मंत्री, श्रीमती भानुबेन बाबरिया के साथ एक बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। बैठक के दौरान उन्होंने इनफ्लिबनेट की अन्य गतिविधियों के साथ-साथ 'शेरनी' (SheRNI - शी रिसर्च नेटवर्क ऑफ इंडिया) प्लेटफॉर्म के बारे में प्रस्तुति (प्रेसेंटेशन) दी।

- प्रो. मदाल्ली को 14 जून 2025 को एल.बी.एस.आई.एम. (LBSIM), दिल्ली में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में भारतीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. रोशन लाल रैना के योगदान और स्थायी प्रभाव के सम्मान में तैयार अभिनंदन-ग्रंथ (FESTSCHRIFT), 'नेविगेटिंग हायर एजुकेशन थ्रू एनईपी 2020: मैट्रिक्स ऑफ एक्सीलेंस एंड डिजिटल वर्च्यूज' का अनावरण किया गया।
- प्रो. देविका मदाल्ली को 'सोसाइटी फॉर द एडवांसमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस' (SALIS), चेन्नई द्वारा प्रतिष्ठित 'SALIS - LIS बेस्ट प्रोफेशनल अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान को आगे बढ़ाने में उनके उत्कृष्ट योगदान, दूरदर्शी नेतृत्व और आजीवन समर्पण को रेखांकित करता है।

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी. एस)

- 15-16 मई 2025 को कोयंबटूर के पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित 'पीएसजी टेक रिसर्च कॉन्क्लेव' (RC2025) में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 22 मई 2025 को गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद के UGC-MMTTC (UGC HRDC) द्वारा आयोजित 'यूजीसी-प्रायोजित 18वें ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम: गुरु-दक्षता' में 'अकादमिक सत्यनिष्ठा' (Academic Integrity) पर एक ऑनलाइन सत्र को संबोधित (डिलीवर) किया।
- ज़ायद यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी, दुबई के लाइब्रेरी एंड लर्निंग कॉमन्स विभाग के इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लाइब्रेरियन, श्री निकेश नारायणन के आमंत्रण पर, 'इन्फ्लिबनेट नवाचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान' (INFLIBNET Innovations and Knowledge Exchange) पर संवाद के उद्देश्य से 26 मई 2025 को ज़ायद यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी का दौरा किया।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी. एस)

- सिनॉड कॉलेज, शिलांग के शिक्षा विभाग द्वारा 4 अप्रैल 2025 को "विकसित भारत के लिए शिक्षा का सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं 29वें एनईआईईएस (NEIES) वार्षिक सम्मेलन में एक विषय-विशेषज्ञ (रिसॉर्स पर्सन) के रूप में इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों पर एक सत्र को संबोधित किया।
- 8 अप्रैल 2025 को द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के श्रीमती हंसा मेहता पुस्तकालय में शोधकर्ताओं और मार्गदर्शकों (गाइड्स) के लिए आयोजित 'शोधगंगा, शोधशुद्धि और शोधचक्र उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम' में एक विषय-विशेषज्ञ (रिसॉर्स पर्सन) के रूप में आमंत्रित किया गया और एक सत्र को संबोधित किया।
- तेजपुर यूनिवर्सिटी के एमएमटीटीसी (MMTTC) में 7 से 22 अप्रैल 2025 के दौरान आयोजित 'एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम' में एक विषय-विशेषज्ञ (रिसॉर्स पर्सन) के रूप में आमंत्रित किया गया और 22 अप्रैल 2025 को "शिक्षा में आईसीटी की आधुनिक तकनीकें (थीम VIII)" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र को संबोधित किया।
- दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (CUSB), गया के यूजीसी-एमएमटीटीसी (UGC-MMTTC) द्वारा 30 अप्रैल से 7 मई 2025 तक आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम' (ऑनलाइन) के दौरान, 4 मई 2025 को एक विषय-विशेषज्ञ (रिसॉर्स पर्सन) के रूप में आमंत्रित किया गया और 'उच्च स्तर पर

शिक्षण एवं अनुसंधान में आईसीटी का एकीकरण' (ICT Integration in Teaching & Research at Higher Level) विषय पर एक ऑनलाइन सत्र को संबोधित किया।

- 15 मई 2025 को यूजीसी-एमएमटीटीसी (UGC-MMTTC), सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात के लिए एक विषय-विशेषज्ञ (रिसॉर्स पर्सन) के रूप में आमंत्रित किया गया और "ई-लर्निंग में लाइब्रेरियन की भूमिका" (Role of librarian in e-Learning) विषय पर एक ऑनलाइन सत्र को संबोधित किया
- इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन (IUCTE), बीएचयू और गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद द्वारा संयुक्त रूप से 23 से 28 जून 2025 तक गुजरात विद्यापीठ में आयोजित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मूक (MOOC) निर्माण में क्रांति" विषय पर छह दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (Professional Development Programme) में एक विषय-विशेषज्ञ (रिसॉर्स पर्सन) के रूप में आमंत्रित किया गया और 23 जून 2025 को एक सत्र को संबोधित किया।

डॉ. कृति जे. त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)

- 31 मार्च से 2 अप्रैल 2025 तक ब्राइटन, यूके (UK) में आयोजित 'UKSG 2025 वार्षिक सम्मेलन' में 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' (ओ.एन.ओ.एस.) पर एक व्याख्यान (टॉक) दिया।
- 9 अप्रैल 2025 को 'द ग्रैंड', नई दिल्ली में ओरेकल माईएसक्यूएल (Oracle MySQL) द्वारा आयोजित "पावरिंग इंडियाज डिजिटल जर्नी: सेलिब्रेटिंग 30 इयर्स ऑफ माईएसक्यूएल इनोवेशन" विषय पर सेमिनार में भाग लिया।
- 16 अप्रैल 2025 को न्यू हरियाणा सिविल सेक्रेटेरिएट (नया हरियाणा सिविल सचिवालय), सेक्टर-17, चंडीगढ़ में उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ACS) के साथ आयोजित एक बैठक में भाग लिया। इस बैठक में 'सोल सॉफ्टवेयर' (SOUL Software) पर एक प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) दी गई और साथ ही केंद्र की अन्य गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया गया। यह बैठक हरियाणा के सरकारी तकनीकी संस्थानों के लिए थोक मात्रा (Bulk Purchase) में सोल सॉफ्टवेयर की खरीद पर केंद्रित थी।

श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)

- सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, वल्लभ विद्यानगर द्वारा 12 से 17 मई 2025 तक आयोजित यूजीसी-एमएमटीटीसी (UGC-MMTTC) ऑनलाइन एफडीपी (FDP) कार्यक्रम के दौरान, 14 मई 2025 को "रिसर्च डेटा मैनेजमेंट के साथ ओपन साइंस को बढ़ावा देना" (Enhancing Open Science with Research Data Management) विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान (लेक्चर) दिया।

श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी. एस)

- कड़ी सर्व विश्वविद्यालय, गांधीनगर में एमसीए (MCA) पाठ्यक्रम की व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) परीक्षाओं के लिए एक बाह्य परीक्षक (एक्सटर्नल एक्जामिनर) के रूप में अपनी सेवाएं दीं। परीक्षा कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार था: 1. ओपन-सोर्स टेक्नोलॉजी (27 मई 2025), और 2. बिग डेटा एंड डेटा एनालिटिक्स (29 मई 2025)।
- एस के पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर स्टडीज (MCA), कड़ी सर्व विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा 19 से 24 मई 2025 तक आयोजित 'रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी परस्पेक्टिव के साथ हालिया रुझान' (Recent Trends with Research and Technology perspective) कार्यक्रम के दौरान, 20 मई 2025 को "इन्फ्लिबनेट केंद्र की अनुसंधान समर्थित सेवाएं और भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली" (Research Supported Services of INFLIBNET Centre and Indian Research Information Network System) विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान (लेक्चर) दिया।

श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

- पूर्ण यात्रा अनुदान (फुल ट्रैवल ग्रांट) सहायता के साथ 13 से 17 अप्रैल 2025 तक बीटनबर्ग, स्विट्जरलैंड में आयोजित 'ओपन साइंस रिट्रीट (OSR2025)' में भाग लिया।
- 'आईएएसएसआईएसटी 2025 फेलोशिप अवार्ड' (IASSIST 2025 Fellowship Award) से सम्मानित किया गया और 3-6 जून 2025 तक ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंगडम (UK) में आयोजित 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सोशल साइंस इंफॉर्मेशन सर्विसेज एंड टेक्नोलॉजी (IASSIST) 2025 वार्षिक सम्मेलन' में भाग लिया; तथा वहां "इंडियाज डेटा कंट्रीब्यूशन्स इन जनरलिस्ट रिसर्च डेटा रिपॉजिटरीज़: चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीज़" शीर्षक से अपने स्वीकृत व्याख्यान प्रस्ताव को प्रस्तुत किया।

श्री विजयकुमार एम. श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)

- 9 अप्रैल 2025 को 'द ग्रैंड', नई दिल्ली में ओरेकल माईएसक्यूएल (Oracle MySQL) द्वारा आयोजित "पावरिंग इंडियाज डिजिटल जर्नी: सेलिब्रेटिंग 30 इयर्स ऑफ माईएसक्यूएल इनोवेशन" कार्यक्रम में भाग लिया।
- 30 मई 2025 को तकनीकी सहायता और 'सोल' (SOUL) ओरिएंटेशन के लिए केएसकेवी कच्छ यूनिवर्सिटी, भुज का दौरा किया।

डॉ. नवनीत कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-बी(एल.एस.)

- 7 मई 2025 को ओसीएलसी (OCLC) द्वारा **"अनलोंकिंग द पावर ऑफ लिंक्ड डेटा'** विषय पर आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया।
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित "रिसर्च मैथोडोलॉजी पर सात दिवसीय कार्यशाला" में दो ऑनलाइन आमंत्रित प्रस्तुतियां (प्रेजेंटेशन) दीं। जिसके तहत 21 मई 2025 को "इन्फ्लिबनेट और उसकी सेवाएं" (INFLIBNET and its services) तथा 22 मई 2025 को "जर्नल पब्लिकेशन प्रोसेस, एथिक्स, एंड इम्पैक्ट फैक्टर" (Journal Publication Process, Ethics, and Impact Factor) विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।

श्रीमती वैशाली शाह, वैज्ञानिक-डी (लाइब्रेरी साइंस) का विदाई समारोह)

- इन्फ्लिबनेट केंद्र, श्रीमती वैशाली शाह, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान) को उनके उज्ज्वल भविष्य और विदाई की हार्दिक शुभकामनाएं देता है, जिन्होंने केंद्र में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। केंद्र आज तक (अपनी सेवा अवधि के दौरान) उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य और अद्वितीय योगदान के लिए हमेशा उनका ऋणी रहेगा। केंद्र उनके जीवन में सर्वोत्तम सफलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता है।

क्षेत्रीय समाचारों/सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट (INFLIBNET)

City | AhmedabadMirror

Amit Shah reviews progress of dev works, central schemes in G'nagar

Chairs district monitoring committee meeting, stresses timely completion of projects

| Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com

Posts @ahmedabadmirror

Union Home Minister Amit Shah on Friday chaired the District Monitoring Committing meeting and reviewed the progress of various development works and the implementation of key central government schemes in the district. The schemes that were discussed included the Jan Dhan Yojana, Jeevan Jyoti Bima Yojana, Atal Pension Yojana, Mudra Yojana, Kisan Credit Card scheme, and Ayushman Bharat Card. Shah suggested making these schemes accessible to beneficiaries and emphasised the need to implement them up to the saturation point. He also directed officials to ensure that all ongoing development works are completed within the set timeline.

MPs Narhari Amin, Hasmukh Patel, Dinesh Makwana and various MLAs, apart from the District Collector, development officers, and local body representatives were present at the meeting.

Earlier in the day Shah visited the Information and Library Network Centre (INFLIBNET), Gandhinagar and carried out a review meeting for the development of libraries. There he launched a mobile app - 'Sastha Sahitya Vardhak Karyalaya' and stressed the need to expand INFLIBNET services to more students and libraries. He urged that all libraries in Gujarat be linked to the INFLIBNET common portal.

HM Amit Shah at INFLIBNET

Science INDIA

IN FOCUS: INFLIBNET, GANDHINAGAR

Promoting Scholarly Communication Between Academicians and Researchers

The executive agency of One Nation One Subscription, INFLIBNET aims to establish communication facilities that improve sharing of academic and research information

INFLIBNET to offer services to TG universities

Hyderabad : The Information and Library Network Centre (INFLIBNET) will soon begin offering services to public universities across Telangana. Prof Devika P Madalli, Director of INFLIBNET (UGC-IUC), Gujarat, met Professor V Balakista Reddy, Chairman of the Telangana Council of Higher Education (TGCHE), on Wednesday to discuss the collaboration. According to TGCHE officials, the collaboration will enable the seamless implementation of national-level academic and research support services within Telangana's public universities.